बाबा एकर तो दरबार में बुलाई लीजे रे भजन लिरिक्स

बाबा एकर तो दरबार में,
बुलाई लीजे रे,
बाबा थासू आस लगी है,
मत न तोड़ दीजे रे,
ओ बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे।bd।

जद जद मंशा पूरी होवे,
पैदल थारे आउ रे बाबा,
पैदल थारे आउ,
मारी मन री आस बाबा,
पूरी कर जे रे,
बाबा एकर तों दरबार में,
बुलाई लीजे रे,
बाबा थासू आस लगी है,
मत न तोड़ दीजे रे,
ओ बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे।bd।

दु:खीया रा दु:ख दूर करे तो,
हँस कर गले लगावे,
मारी तो अरदास बाबा,
चरणा लीजे रे,
बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे,
बाबा थासू आस लगी है,
मत न तोड़ दीजे रे,
ओ बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे।bd।

जब जब सुगणा थाने पुकारे,
दोडियो दोडियो आवे,
बाबो दोडियो दोडियो आवे,
मैं भी थाने पुकारू बाबा,
दर्शण दिजे रे,
बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाबा थासू आस लगी है,
मत न तोड़ दीजे रे,
ओ बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे।bd।

जद जद थारो मेलो आवे,
तब तब मन मे आवे,
महावीर हंसराज दुवारे आवे,
कृपा कीजे रे,
बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे,
बाबा थासू आस लगी है,
मत न तोड़ दीजे रे,
ओ बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे।bd।

बाबा एकर तो दरबार में,
बुलाई लीजे रे,
बाबा थासू आस लगी है,
मत न तोड़ दीजे रे,
ओ बाबा एकर तो दरबार मे,
बुलाई लीजे रे।bd।

प्रेषक – हंसराज मेघवंशी मोहराई
9057564428

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com